

प्रेषक,

डॉ० हेमलता ढोंडियाल,

अपर सचिव,

उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,

पर्यटन निदेशालय,

उत्तराखण्ड, देहरादून।

पर्यटन अनुभाग:

देहरादून दिनांक 19 मार्च, 2008

विषय: वित्तीय वर्ष 2007-08 में पर्यटन विकास की नई योजना के अन्तर्गत पिथौरागढ़ में निर्मित सुलभ शौचालय कॉम्प्लैक्सों के सौन्दर्यीकरण हेतु धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-87/VI/2008 दिनांक 29 जनवरी, 2008 तथा आपके पत्र संख्या-350/2-6-21/2007-08, दिनांक 28 जनवरी, 2008 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2007-08 में पर्यटन विकास की नई योजना के अन्तर्गत जनपद पिथौरागढ़ में निर्मित सुलभ शौचालय कॉम्प्लैक्सों के सौन्दर्यीकरण हेतु रु० 15.68 लाख के आगणनों पर तकनीकी प्रक्षेप द्वारा परीक्षणोपरत संस्तुत धनराशि रु० 14.59 लाख (रुपये चौहद लाख उनसठ हजार मात्र) पर प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति के साथ इतनी ही धनराशि आपके निवर्तन पर स्वी गयी धनराशि रु० 8.00 करोड़ में से व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्नवत प्रदान करते हैं:-

क्र० सं०	योजना का नाम	आगणन की मूल लागत	(धनराशि लाख में)
			टी०ए०सी० द्वारा संस्तुत एवं वित्तीय वर्ष 2007-08 में स्वीकृत की जा रही धनराशि
1	2	3	4
	जनपद-पिथौरागढ़		
1	पिथौरागढ़ में क०एम०ओ०यू० बस स्टेशन पर 10 सीट के सुलभ शौचालय का जीर्णोद्धार	8.05	7.51
2	पिथौरागढ़ में शिल्पाम में 10 सीट के सुलभ शौचालय का जीर्णोद्धार	7.61	7.08
	योग:-	15.66	14.59

2- उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबन्ध के साथ स्वीकृत की जाती है कि मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता जिसे व्यय करने के हेतु पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय सम्बन्धित की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिये। व्यय में मितव्ययता निरन्तर आवश्यक है। व्यय करते समय मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में उल्लिखित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

3-आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधिक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा दरें श्रेड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं है अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति निम्नानुसार अधिक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगणन की स्वीकृति मान्य होगी।

4-कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।

5-कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृति नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाये।

6-एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगणन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टैकअप किया जाये।

7-कार्य कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्य नजर रखते हुए एवं लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

8-आगणन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।

9-निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।

10-जी0पी0डब्ल्यू0 फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण इकाई को कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।

11-कार्य प्रारम्भ के समय सम्बन्धित निर्माण एजेंसी कार्यस्थल पर इस आशय का एक साईन बोर्ड स्थापित करेगा कि उक्त योजना/कार्य पर्यटन विभाग, उत्तरांचल के सौजन्य से किया जा रहा है, योजना प्रारण करने का समय, इसकी लागत, पूर्ण करने का समय तथा कार्यदायी संस्था का विवरण भी अंकित किया जायेगा। सम्बन्धित जिला पर्यटक विकास अधिकारी उक्त कार्य का समय-समय पर भौतिक निरीक्षण कर कार्य की भौतिक प्रगति से प्रत्येक माह शासन को अवगत करायेगे एवं कार्य पूर्ण होने की सूचना व योजना का फोटोग्राफ अवश्य शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध करायेगा।

12- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-5452- पर्यटन पूंजीगत परिव्यय-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्धन तथा प्रचार-04-राज्य रोड-49-पर्यटन विकास की माई योजनाएँ-24-वृहत निर्माण कार्य मद के नामें डाला जायेगा।

कृपया उपरोक्तानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का कष्ट करें।

भवदीय,

(डा० हेमलता कौशियाल)  
अपर सचिव।

संख्या- 145 / VI / 2008-4(10)2007 तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त, कुमाऊँ गण्डल।
- 4- जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
- 5- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- निजी सचिव, मा० पर्यटन मंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- वित्त अनुभाग-2,
- 8- श्री एल०एम०पन्त, अपर सचिव वित्त।
- 9- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 10- जिला पर्यटन विकास अधिकारी, पिथौरागढ़।
- 11- एन०आई०सी०, उत्तराखण्ड राशिवालय परिसर।
- 12- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(श्याम सिंह)  
अनुसचिव।